CLASS NOTES

Class: सातवीं	**Topic:** चिड़िया की बच्ची लेखक – जैनेंद्र कुमार
Subject: हिंदी वसंत	

हिंदी वसंत की उत्तर पुस्तिका में लिखिए |

शब्दार्थ

संगमरमर - एक चिकना चमकीला पत्थर
व्यसन - बुरी आदत
रकाबी - प्लेट के आकार का
हौज - पानी का बड़ा-सा बर्तन
ढलना - कम होना
छटा - सुंदरता
ख्याल-ही-ख्याल में - सोचते हुए
चमकदार स्याह - चमकता हुआ काला
विचित्र - बेजोड़
सत्ता - ताकत
स्वच्छंदता - आज़ादी
बेखटके - बिना डर के
प्रफुल्लित - प्रसन्नचित्त
रागनी - एक प्रकार का गीत
बहार - सुंदरता
बहुतेरी - बहुत सारी
महामान्य - श्रीमान
मालामाल - धनी
अनगिनत - ढेर सारी
चौकन्ना – सजग, जागरूक
सुबकना – हिचकियों में रोना
मीचकर – बंदकर

अभ्यास-प्रश्न

प्रश्न 1. किन बातों से ज्ञात होता है कि माधवदास का जीवन संपन्नता से भरा था और किन बातों से ज्ञात होता है कि वह सुखी नहीं था ?

उत्तर – निम्नलिखित बातों से पता चलता है कि माधवदास का जीवन संपन्नता से भरा था-
माधवदास अपने नगर का बहुत बड़ा सेठ था |
वह जिस पर अपना हाथ रख दे उसका भाग्य चमक जाता था |
उसके पास बहुत सारी कोठियाँ थीं, बाग़-बगीचे थे |
उसके पास अनेक दास-दासियाँ थीं |
निम्नलिखित बातों से पता चलता है कि माधवदास सुखी नहीं था-
सब कुछ होते हुए भी वह अपने जीवन से खुश नहीं था |
उसे अपने अंदर कुछ खाली-खाली-सा लगता था |
उसके पास बहुत सारे महल हैं परंतु सभी सूने हैं, उसमें कोई नहीं रहता |
अपने महल में खुशियाँ लाने के लिए वह छोटी-सी चिड़िया की खुशामद करता है |

प्रश्न 2. माधवदास क्यों बार-बार चिड़िया से कहता है कि यह बगीचा तुम्हारा ही है ? क्या माधवदास निस्वार्थ मन से ऐसा कह रहा था ? स्पष्ट कीजिए |

उत्तर - माधवदास उस चिड़िया से यह बगीचा तुम्हारा है इसलिए कह रहा था क्योंकि चिड़िया के आने से उसके बगीचे में रौनक आ गई थी | चिड़िया की चंचलता, सुंदरता और मनमोहक आवाज़ ने सेठ को प्रसन्न कर दिया था | वह चिड़िया को वहाँ से जाने देना नहीं चाहता था | माधवदास के यह कहने के पीछे कि यह बगीचा तुम्हारा है, स्वार्थ की भावना थी | चिड़िया के बगीचे में आ जाने से उसे अपने सूने जीवन में बहार के आने का अनुभव हुआ था | इसलिए वह अपने स्वार्थवश चिड़िया को तरह-तरह के लालच दे रहा था |

प्रश्न 3. कहानी के अंत में नन्ही चिड़िया का सेठ के नौकर के पंजे से भाग निकलने की बात पढ़कर तुम्हें कैसा लगा ? चालीस-पचास या इससे कुछ अधिक शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया लिखिए |

उत्तर - कहानी के अंत में नन्ही चिड़िया का सेठ के नौकर के पंजे से भाग निकलना प्रसन्नता की बात है | आज़ादी सबको प्रिय होती है | कोई भी पराधीन रहकर खुश नहीं रह सकता | पक्षी तो खुले आसमान में बिचरते अच्छे लगते हैं | सेठ का लालच भी चिड़िया की स्वतंत्रता को नहीं खरीद सका था | चिड़िया को तो अपनी माँ, घोंसला, सूरज की धूप, नदी का पानी, खुली हवा तथा फूल अच्छे लगते थे| इसलिए वह आने वाले खतरे से सावधान थी | उसकी सावधानी ही उसे स्वतंत्र रहने में सहायक हुई |

प्रश्न 4. 'माँ मेरी बाट देखती होगी' नन्ही चिड़िया बार-बार इसी बात को कहती है | आप अपने अनुभव के आधार पर बताइए कि हमारी ज़िंदगी में माँ का क्या महत्व है ?

उत्तर - माधवदास नन्ही चिड़िया को अपने पास रोकने के लिए कई तरह के लालच देता है परंतु चिड़िया उसके लालच में नहीं आती है | उसे अपनी माँ की चिंता हो रही थी | पशु-पक्षी हो या मनुष्य सभी को अपनी माँ बहुत प्रिय होती हैं | माँ के बिना बच्चे का जीवन अधूरा होता है | माँ ही हमें अच्छे-बुरे का ज्ञान करवाती हैं | वह आने वाले सुख-दुख से परिचित करवाती हैं | एक दिन मेरी माँ को कुछ जरूरी काम से बाहर जाना पड़ गया | मुझे जोर की भूख लगी थी | मुझे खाना बनाना नहीं आता था | कुछ देर तक माँ का इंतजार किया परंतु माँ नहीं आई | फिर अपने आप खाना बनाने का प्रयास किया | उस दिन मुझे अनुभव हुआ कि माँ हमारे लिए क्या-क्या काम करती हैं और कितने कष्टों को सहती हैं | माँ के आते ही मैं अपनी माँ से चिपक गई | उस दिन मैंने मन-ही-मन अपने आप से वादा किया कि आगे से माँ के साथ काम करूँगी और कोई लापरवाही नही करूँगी |

मूल्यपरक प्रश्न

प्रश्न 1. मनुष्य ही नहीं पशु-पक्षी भी स्वतंत्र रहना चाहते हैं | क्या आप इस बात से सहमत हैं ? कारण सहित बताइए |

उत्तर- मनुष्य ही नहीं पशु-पक्षी भी किसी के अधीन नहीं रहना चाहते | कोई भी जीव बंधन में नहीं रहना चाहता क्योंकि उसे अपना स्वाभाविक आचरण त्यागना पड़ता है | यदि हम किसी पक्षी को पिंजरे में बंद करके रखते हैं, तो वह उसमें रहना नहीं चाहता | मौका मिलते ही उड़ जाता है | इसी तरह यदि हम किसी पशु को बाँधते हैं, तो वह भी बंधन तोड़ कर भाग जाता है, इसी प्रकार मनुष्य भी परतंत्र रहना नहीं चाहता | भारत की आज़ादी का आंदोलन इसका प्रमाण है |

प्रश्न 2. माधवदास द्वारा चिड़िया को अपने महल में रखने के प्रयास को आप कितना सही मानते हैं और नहीं मानते हैं तो क्यों ? अपने विचार विस्तार से लिखिए |

उत्तर - प्रस्तुत प्रश्न का उत्तर छात्र स्वयं लिखेंगे |

निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़ें और समझें | (केवल पढ़ने के लिए)

प्रश्न 1.माधवदास का बगीचा कहाँ था ?

अ . उनकी कोठी के अंदर बड़े से आँगन में

ब. नई कोठी के सामने

स. पुरानी कोठी के ठीक सामने

द. नई कोठी के पीछे

प्रश्न 2.आसमान के रंग में बदलाव कब आ जाता है ?

अ. प्रातः काल

ब. रात के समय

स. दोपहर के समय

द. सायंकाल में

प्रश्न 3. माधवदास के उद्यान में इनमें से क्या नहीं था ?

अ.फूलों के पौधे

ब. सुंदर पौधे

स. सुंदर चिड़िया

द. पानी फेंकते फव्वारे

प्रश्न 4.चिड़िया कहाँ आन बैठी ?
अ.आम की डाली पर
ब. छत पर
स. आँगन में
द. बगीचे में
प्रश्न 5.चिड़िया के पंख ऊपर से कैसे थे ?
अ.चमकदार नीले
ब. चमकदार सफेद
स. चमकदार काले
द. चमकदार लाल
प्रश्न 6.चिड़िया किस तरह की गलती न होने की बात कर रही थी ?
अ.अपने घोंसले से निकलने की
ब. माधवदास के बगीचे में रुकने की
स. माधवदास बातों से डरने की
द. माधवदास के बगीचे से उड़ जाने की
प्रश्न 7.सुनहरी धूप कहाँ बिखरी थी ?
अ.बाग और रास्ते में
ब. माधवदास की कोठी के बाहर
स. चिड़िया के घोंसले के आसपास
द. माधवदास के बगीचे में
प्रश्न 8. 'और मुझे क्या करना है'- ऐसा कौन कह रहा था ?
अ.माधवदास
ब. चिड़िया की माँ
स. चिड़िया
द. माधवदास और चिड़िया
प्रश्न 9.माधवदास के अनुसार अब फूल किसके लिए खिलेंगे ?
अ.माधवदास के लिए
ब. बगीचे के लिए
स. चिड़िया के लिए
द. प्राकृतिक सुंदरता बढ़ाने के लिए
प्रश्न 10.चिड़िया को कौन पकड़ने का प्रयास कर रहा था ?
अ.नौकर
ब. माधवदास
स. शिकारी
द. बिल्ली
प्रश्न 11.चिड़िया को सबसे सुरक्षित जगह कौन-सी लगी ?
अ.माधवदास का महल
ब. अपना घोंसला
स. माधवदास का बगीचा
द. अपनी माँ की गोद

निम्नलिखित प्रश्नों के संछिप्त उत्तर लिखें |

प्रश्न 1. माधवदास कौन थे ?
उत्तर- माधव दास धनी व्यक्ति थे, जिनके पास खूब धन दौलत थी, जिन्होंने संगमरमर की नई कोठी बनवाई थी |
प्रश्न 2. चिड़िया कहाँ आ बैठी ?
उत्तर – नन्हीं-सी सुंदर चिड़िया माधव दास के बगीचे में गुलाब की डाली पर बैठी |
प्रश्न 3. चिड़िया ने बगीचे में आने का क्या कारण बताया ?
उत्तर-चिड़िया ने अपने आने का कारण बताया कि मैं पल भर साँस लेने के लिए यहाँ रुक गई थी, मैं अभी चली जाती हूँ|

प्रश्न 4. चिड़िया को पकड़ने के लिए माधवदास ने क्या किया ?

उत्तर- चिड़िया को पकड़ने के लिए माधवदास ने एक बटन दबाया | उसकी आवाज सुनकर नौकर बाहर आया | माधवदास ने चिड़िया को बातों में लगाए रखा और उसे पकड़ने का इशारा कर दिया |

प्रश्न 5. चिड़िया हर हाल में अपनी माँ के पास क्यों जाना चाहती थी ?

उत्तर - चिड़िया को अपनी स्वतंत्रता के साथ अपनी माँ बहुत प्रिय थी | वह माँ की ममता, अपना घोंसला और परिवार को माधवदास द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं से बेहतर समझती थी |

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर छात्र स्वयं लिखें |

प्रश्न 1. माधवदास के उद्यान में इनमें से क्या नहीं था ?

प्रश्न 2. कठोर स्पर्श से चिड़िया की क्या प्रतिक्रिया हुई ?

प्रश्न 3. माधवदास की अभिरुचि कैसी थी ?

प्रश्न 4. माधवदास की बातें सुनकर चिड़िया का थिरकना क्यों रुक गया ?

प्रश्न 5. चिड़िया की बच्ची कहानी से आपको क्या सीख मिली ?

प्रश्न 6. माधवदास चिड़िया को क्यों पकड़ना चाहते थे ?

प्रश्न 7. माधवदास ने अपनी नई कोठी कैसे बनवाई थी ?

प्रश्न 8. चिड़िया की बच्ची सेठ के दिए लालच में क्यों नहीं फँसती ?

ज्ञातव्य उपर्युक्त लेखन सामग्री घर पर तैयार की गई है |